Nai Dunia, 10th June 2013, Page-1

नासा का प्रोजेक्ट आगे बढ़ाएगा आईआईटी इंदौर

इंदौर (नप्र)। अमेरिका के नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) के नेक्स्ट जनरेशन सैटेलाइट प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने का जिम्मा आईआईटी इंदौर को मिला है। संस्थान इसे अत्याधुनिक बनाने पर जोर दे रहा है। हालांकि इसका प्रोटोटाइप (नमूना) दो साल के भीतर तैयार करना है, जिसकी टेस्टिंग भी आईआईटी को ही करना है।

2007 में नासा ने नेक्स्ट जनरेशन सैटेलाइट प्रोजेक्ट शुरू किया था। डिजाइन करने के लिए तीन एस्ट्रोफिजिक्स वैज्ञानिकों को चुना गया, जिसमें आईआईटी इंदौर के प्रो. सिद्धार्थ मालू के अलावा प्रो. लुसिओ (यूनिवर्सिटी ऑफ मैंचेस्टर) और प्रो. पीटर टीमबाई (यूनिवर्सिटी ऑफ विसकॉनसिन) शामिल हैं। तीन सालों में वैज्ञानिकों ने सैटेलाइट के कॉसमॉस प्रोटोटाइप तैयार किया। अब इसे

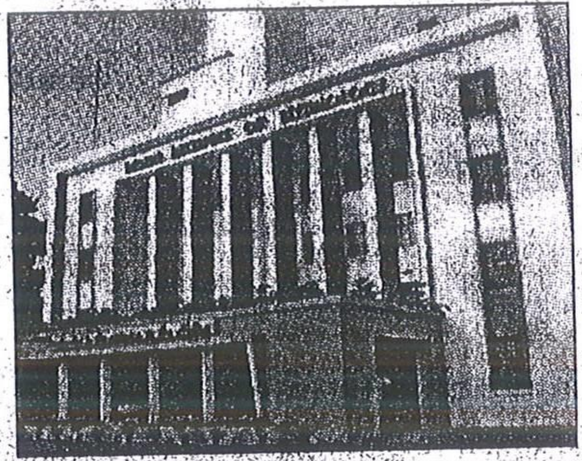

अत्याधुनिक करने पर जोर दिया जा रहा है। पिछले दिनों आईआईटी इंदौर के प्रो. मालू ने प्रेजेंटेशन दिया था। इसके बाद इसकी जिम्मेदारी आईआईटी इंदौर को मिली है। हालांकि इसके प्रोटोटाइप पर भी ये तीनों वैज्ञानिक ही काम करेंगे।

लद्दाख में होगी टेस्टिंग

आईआईटी इंदौर का काम सैटेलाइट डिजाइन तक ही सीमित नहीं है। इसके टेस्टिंग का जिम्मा भी संस्थान के पास है। इसके लिए स्थान तय कर लिया गया है। डिजाइन पूरा होने के बाद लद्दाख में इसकी टेस्टिंग होगी। इस दौरान तीनों वैज्ञानिक के अलावा देशभर से भी कई विशेषज्ञ आएंगे।

इसरो से भी जुड़ा संस्थान

नासा के अलावा भारतीय स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन से भी आईआईटी इंदौर जुड़ गया है। दीक्षांत समारोह के दौरान डायरेक्टर प्रदीप माथुर ने वार्षिक रिपोर्ट में इसकी घोषणा की है। संस्थान सेटेलाइट लांच करने में इसरो की मदद लेगा। इसे 1.5 मिलियन किमी दूर स्थापित किया जाएगा। इसके जरिए अंतरिक्ष में हलचल और गतिविधियों पर नजर रखी जा सकेगी।